साहित्योत्सव
Festival of Letters 2023
साहित्य अकादेमी
आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20 भारत 2023 INDIA
Ministry of Culture
Government of India
11-16 मार्च 2023
नई दिल्ली
दैनिक समाचार बुलेटिन
रविवार, 12 मार्च 2023

छह दिवसीय साहित्योत्सव का शुभारंभ

संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया उद्घाटन

साहित्य अकादेमी के सबसे बड़े साहित्योत्सव का आज विधिवत उद्घाटन संस्कृति राज्य मंत्री, भारत सरकार, माननीय श्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया। अकादेमी की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि हमें समाज में एक ऐसी सकारात्मकता पैदा करनी है जिससे हमारा देश विकासशील की जगह विकसित राष्ट्र की पदवी प्राप्त कर सके। उन्होंने प्राचीन संत कवियों कबीर, गुरु नानक, तिरुवल्लुवर का उदाहरण देते हुए कहा कि यह संत केवल कवि नहीं बल्कि बड़ी सोच और व्यापक दृष्टि के साहित्यकार थे जिन्होंने हमें प्रकृति से प्यार करना सिखाया। उन्होंने अकादेमी द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी कला और साहित्यिक संस्थानों को समाज में रचनात्मक और सकारात्मक परिवेश बनाएँ रखने में सहयोग करना चाहिए। श्री मेघवाल ने जी 20 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी थीम भारतीय संस्कृति और परंपरा अर्थात तीन सिद्धांतों 'एक पृथ्वी एक परिवार और एक भविष्य' पर आधारित है। ऐसे बड़े आयोजनों से ही हम अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इस वार्षिक प्रदर्शनी में चित्रों तथा लेखों के विवरण से विगत वर्ष की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया था। ज्ञात हो कि गत वर्ष अकादेमी ने देश भर में 579 कार्यक्रमों का आयोजन किया।

प्रदर्शनी में साहित्य अकादेमी द्वारा हाल ही में प्रकाशित 75 नई पुस्तकों का लोकार्पण भी माननीय मंत्री जी के कर कमलों द्वारा किया गया।

आज के कार्यक्रम

लेखक सम्मिलन
वाल्मीकि सभागार, पूर्वाह्न 10.30 बजे

परिचर्चा : वैचारिकता और साहित्य
वाल्मीकि सभागार, अपराह्न 2.30 बजे

व्यक्ति और कृति : सुनील कांत मुंजाल
विख्यात उद्योगपति एवं लेखक के साथ
वाल्मीकि सभागार, सायं 4.30 बजे

संवत्सर व्याख्यान : न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा
भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश द्वारा
वाल्मीकि सभागार, सायं 6.00 बजे

युवा साहिती : युवा भारत का उदय *(जारी...)*
व्यास सभागार, पूर्वाह्न 10.30 बजे

पूर्वोत्तरी
(उत्तर-पूर्वी एवं उत्तरी लेखक सम्मिलन)
तिरुवल्लुवर सभागार, पूर्वाह्न 10.30 बजे

माधव कौशिक साहित्य अकादेमी के नए अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद के लिए कुमुद शर्मा का चयन

साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद् की हुई बैठक में आज नए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव हुआ। इस बैठक में माधव कौशिक को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में कुमुद शर्मा का चयन किया गया। रवींद्र भवन परिसर, नई दिल्ली में हुए इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए मल्लपुरम वेंकटेश और रंगनाथ पठारे के नाम भी थे।

उपाध्यक्ष पद के लिए सी. राधाकृष्णन का नाम था। माधव कौशिक वरिष्ठ कन्नड साहित्यकार चंद्रशेखर कंबार का स्थान लेंगे। इस से पहले वे साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष थे। उनका यह चयन 2027 (पाँच साल) तक के लिए किया गया है।

माधव कौशिक हिंदी के प्रख्यात कवि और लेखक हैं। आपका जन्म 1 नवंबर 1954 को हरियाणा के भिवानी शहर में हुआ था। आपके दो दर्ज़न से अधिक ग़ज़ल-संग्रह, 2 खंडकाव्य, 4 नवगीत-संग्रह, 2 काव्य-संग्रह, 2 कहानी-संग्रह, 2 बाल साहित्य की पुस्तकों सहित 2 अनुवाद की पुस्तकें और 4 संपादित कृतियाँ प्रकाशित हैं। आपकी कुछ पुस्तकों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ है। आपने गीत और लघु फिल्मों के लिए पटकथा लेखन भी किया है तथा टी.वी. और रेडियो के अनेक कार्यक्रमों में सहभागिता की है। आपकी कुछ रचनाएँ पंजाब के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। आपको अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत किया गया है, जिनमें प्रमुख हैं - हंस कविता सम्मान, राजभाषा रत्न सम्मान, हरियाणा साहित्य अकादमी का बाबू बाल मुकुंद सम्मान, महाकवि सूरदास सम्मान, अखिल भारतीय बलराज साहनी सम्मान, रवींद्रनाथ वशिष्ठ सम्मान, शिरोमणि हिंदी साहित्यकार सम्मान, राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्राब्दी सम्मान, अब्र सीमाबी सम्मान आदि। आप चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव एवं वर्तमान में अध्यक्ष और हरियाणा साहित्य अकादमी की शासकीय परिषद् के सदस्य रहे हैं।

कुमुद शर्मा लेखिका समीक्षक, मीडिया विशेषज्ञ और स्त्री विमर्शकार हैं। आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं- अंबिका प्रसाद वाजपेयी विनिबंध, भूमंडलीकरण और मीडिया, स्त्रीघोष, विज्ञापन की दुनिया, समाचार बाज़ार की नैतिकता, जनसंपर्क प्रबंधन, गाँव के मन से रूबरू, नई कविता में राष्ट्रीय चेतना, आधी दुनिया का सच, अमृतपुत्र, 1000 हिंदी साहित्य प्रश्नोत्तरी आदि। आप साहित्यिक मासिक साहित्य अमृत की पूर्व संयुक्त संपादक तथा प्रसार भारती बोर्ड के अंतर्गत 'लिटरेचर कोर कमेटी' की पूर्व सदस्य हैं। आप महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की शैक्षिक समिति तथा अटल बिहारी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल की

कार्यकारी परिषद् की सदस्य भी है। स्त्री विमर्श और मीडिया पुस्तकों पर आपको भारतेंदु हरिशचंद्र पुरस्कार, साहित्य श्री सम्मान, बालमुकुंद गुप्त साहित्य सम्मान तथा प्रेमचंद रचनात्मक सम्मान से सम्मानित किया गया हैं। अभी आप दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रोफ़ेसर के पद पर कार्यरत हैं।

बहुभाषी कवि सम्मिलन

साहित्योत्सव 2023 के दौरान साहित्य अकादेमी ने 11 मार्च 2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे व्यास सभागार में बहुभाषी कवि सम्मिलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में दो सत्र हुए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रख्यात अंग्रेज़ी कवि भुचुंग डी. सोनम ने की। उन्होंने अपनी कविता 'सेपरेशन ऑफ़ माई मदर' के द्वारा अपनी विस्थापन की पीड़ा को उजागर किया है। इस सत्र में छह रचनाकारों ने कविता पाठ किया। अंग्रेज़ी के प्रख्यात कवि मुकुल कुमार ने तीन कविताओं का पाठ किया - 'आई स्टिल मिस ब्रेस्ट मिल्क' जो रिदम ऑफ़ रूइम्स कविता संग्रह में प्रकाशित हो चुकी है। दूसरी कविता- 'टेस्टीमनी ऑफ़ डिविनिटी' है और उन्होंने तीसरी कविता प्रकृति से प्रेरित होकर लिखी है। प्रख्यात हिंदी रचनाकार अग्निशेखर ने 'शत्रु की दया' और 'लक्ष्य लोग' कविता का पाठ किया। उन्होंने 'लक्ष्य लोग' कविता में क्रॉस फ़ायरिंग में मरते स्थानीय निर्दोष लोगों के परिवार की पीड़ा को उजागर किया है। प्रख्यात कन्नड कवयित्री जयश्री कंबार ने कन्नड़ में अपनी नारीवादी कविता 'कविये केड्डू' (लिसेन पोएट) का पाठ किया, जो एक दर्शक के रूप में एक महिला के परिप्रेक्ष्य के बारे में थी और बाद में इसे अंग्रेजी अनुवाद द्वारा भी स्पष्ट किया। उनकी एक और कविता 'टियर्स' यह बताती है कि कैसे एक महिला में अपनी इच्छा के अनुसार, अपनी पीड़ा के आँसुओं को नियंत्रित करने की क्षमता है। प्रख्यात मलयाळम् कवि बी. हरिदास ने 'द लव ऑफ़ गॉड', 'प्राइस', 'एलिफैंट एंड द ब्लाइंड मैन' आदि 11 छोटी, लेकिन सार्थक कविताओं का पाठ किया। प्रख्यात तेलुगु कवि ए. कृष्णराव ने अपनी दो कविताओं का हिंदी अनुवाद सुनाया। 'सर्दी' एक व्यंग्य कविता थी जिसमें सर्दी को पाखंडी राजनीतिक परिदृष्य का खुलासा करने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रयोग किया गया है।

अपराह्न 12.15 बजे द्वितीय सत्र का आरंभ हुआ जिसकी अध्यक्षता मृत्युंजय सिंह ने की। उन्होंने प्रत्येक कवि को उनकी कविता की दो पंक्तियाँ सुनाकर उन्हें कविता पाठ के लिए आमंत्रित किया। इस सत्र में सबसे पहले उन्होंने प्रख्यात मणिपुरी कवयित्री मिसना चानू को कविता पाठ के लिए आमंत्रित किया। मिसना चानू ने पहली कविता का पाठ मणिपुरी में, दूसरी कविता का हिंदी अनुवाद प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था- 'यदि याद आए तुम्हें मेरी', जो प्रख्यात अनुवादिका मोहिनी हिंगोरानी द्वारा अनूदित है और दो कविताओं का अंग्रेज़ी में पाठ किया। प्रख्यात उर्दू कवि, ग़ज़लकार और साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार विजेता उमर फ़रहत ने तीन ग़ज़लें सुनाईं- 'मुकम्मल ख़्वाब देखा जा चुका है', 'ज़ख़्मों से अच्छा हो जाऊँ' और 'ख़ामोशी का सहरा हूँ'। तमिळ कवि जयकुमार मंकुथिराई ने भी तीन कविताओं का पाठ किया -'मिथिला' जो सीता जी पर आधारित है,। उन्होंने पौराणिक चरित्र के एक आधुनिक संस्करण पर ध्यान केंद्रित किया, जो केरल में लोकप्रिय है। उनकी दूसरी कविता शिव और पार्वती के संबंधों पर प्रतिबिंबित है जो एक इतालवी कवि की कविता से प्रेरित होकर लिखी गई। सरबजीत गरचा ने महामारी के दौरान लिखी कविताओं के अप्रकाशित संग्रह अनएंडिंग, कॉनक्लूडिंग और लैंड से कविताएँ पढ़ीं। उनकी एक और हिंदी कविता 'एक महीना' एक कवि द्वारा माँगी गई गुमनाम सफर में खुशियों की तलाश के बारे में है। राकेश शर्मा ने अपनी हिंदी कविताओं 'कौन रचता है किसे' का पाठ किया, जो ऋषि वाल्मीकि द्वारा 'अनुष्टुप छंद' में लिखी गई पहली कविता के बारे में है। नष्ट होते गाँव और शहरों की ओर पलायन करते लोगों पर उनकी लिखी गई कविता है- 'स्मृति में गाँव'। प्रवाल कुमार बसु ने अपनी एक बाङ्ला कविता 'आज सारा दिन' और अंग्रेजी में 'ब्लाइंड गॉड', 'किंग' और 'ए फ़ैमिली चेयर' का पाठ किया। 'ए फ़ैमिली चेयर' कविता एक व्यंगात्मक कविता है जिसमें यह बताया गया है कि एक कुर्सी से किसी इंसान की परख नहीं होती है, सबकी एक अलग पहचान होती है। कार्यक्रम के अंत में मृत्युंजय सिंह ने कहा कि कैसे विविध भाषाओं की खुशबू कविता के जरिये चारों ओर फैलती है। उन्होंने अपने खंडकाव्य 'द्रौपदी' का सस्वर पाठ भी किया जिसमें द्रौपदी अपने बालसखा श्रीकृष्ण से अपनी पीड़ा उजागर करते हुए कहती है कि कैसे ईर्ष्या-द्वेष से रचे गए थे ये युद्ध और यह कैसा युद्ध है जिसे एक नारी के माथे मढ़ दिया गया। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के अधिकारी राजमोहन ने सभी प्रतिभागियों का परिचय श्रोताओं से कराया।

साहित्य अकादेमी पुरस्कार

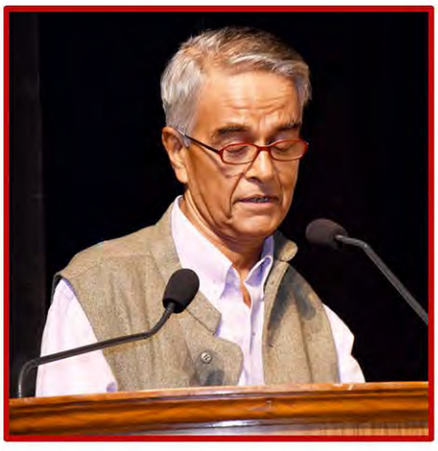

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2022 अर्पण समारोह आज सायं 5.30 बजे कमानी सभागार में हुआ। समारोह की अध्यक्षता आज चुने गए नए अध्यक्ष माधव कौशिक ने की और समापन वक्तव्य नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अर्पण समारोह के मुख्य अतिथि लब्धप्रतिष्ठ अंग्रेजी लेखक एवं विद्वान उपमन्यु चटर्जी थे। पुरस्कार अर्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए साहित्य अकादेमी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि साहित्य अकादेमी का यह मंच विविधता में एकता देखने का सबसे बड़ा उदाहरण है। क्योंकि यहाँ हम उन्हें एक साथ भारतीय साहित्य की एकात्मकता के रूप में देख सकते हैं। यह सभी लेखक आम आदमी के संघर्षों को हमारे सामने रखते हुए हिंदुस्तान की नब्ज हमारे सामने रखते हैं। आगे उन्होंने कहा कि लेखक चाहे किसी भी भाषा के हो उनके साहित्यिक सरोकार एक से ही है। इस देश का साहित्य हमेशा जीवंत रहा है और रहेगा।

अपने समापन वक्तव्य में साहित्य अकादेमी की नई उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा ने कहा कि भारत की विभिन्नताओं के बावजूद इसकी जीवंत परंपराओं,

अर्पण समारोह 2022 संपन्न

इतिहास और स्मृतियों से एक जैसा नाता है। समरसता के सूत्र सारे भारतीय साहित्य को एक बनाते हैं। साहित्य अकादेमी के पुरस्कार सृजन की उत्सुकता जगाते हैं और यह परंपरा आगे भी बनी रहनी चाहिए।

मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रख्यात अंग्रेजी लेखक उपमन्यु चटर्जी ने कहा कि हर लेखक अलग-अलग तरीके से अपने अनुभव व्यक्त करता है। लेकिन अनुवाद के माध्यम से जब वह दूसरी भाषाओं में पहुँचता है तब भी उसकी महत्ता कम नहीं होती है। उन्होंने साहित्य अकादेमी की अनुवाद योजना का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक बड़ा काम है और निरंतर जारी रहना चाहिए।

आज के पुरस्कृत रचनाकार थें - मनोज कुमार गोस्वामी (असमिया), तपन बंद्योपाध्याय (बाङ्ला), रश्मि चौधुरी (बोडो), वीणा गुप्ता (डोगरी), अनुराधा रॉय (अंग्रेज़ी), गुलाममोहम्मद शेख (गुजराती), बद्री नारायण (हिंदी), मुडनाकुडु चिन्नास्वामी (कन्नड), फ़ारूक़ फ़याज़ (कश्मीरी), माया अनिल खंरगटे (कोंकणी), अजित आजाद (मैथिली), एम. थॉमस मैथ्यू (मलयाळम्), कोइजम शांतिबाला (मणिपुरी), प्रवीण दशरथ बांदेकर (मराठी), के.बी. नेपाली (नेपाली), गायत्रीबाला पंडा (सुखजीत (पंजाबी), जर्नादन प्रसाद पाण्डेय 'मणि' (संस्कृत), काजली सोरेन 'जगन्नाथ सोरेन' (संताली), कन्हैयालाल लेखवाणी (सिंधी), एम. राजेंद्रन (तमिऴ), मधुरांतकम नरेंद्र (तेलुगु), अनीस अशफ़ाक़ (उर्दू)। कमल रंगा (राजस्थानी) पुरस्कार ग्रहण करने नहीं आ सके। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का स्वागत करते हुए पुरस्कृत रचनाकारों को बधाई दी।

अस्मिता

साहित्योत्सव 2023 के दौरान 11 मार्च 2023 को अपराह्न 2:30 बजे साहित्य अकादेमी परिसर के व्यास सभागार में अस्मिता कार्यक्रम आयोजित

हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में साहित्य अकादेमी के अधिकारी राजमोहन ने श्रोताओं का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों से उनका परिचय कराया। इसकी अध्यक्षता प्रख्यात लेखिका, अनुवादिका और सेंटर फ़ॉर क्रिएटिव राइटिंग, एंड ट्रांसलेशन, साईं विश्वविद्यालय, चेन्नै की प्रोफ़ेसर और निदेशक के. श्रीलता ने की। उन्होंने अपनी चार कविताओं का पाठ अंग्रेज़ी में किया- 'द थ्री वीमेन इन सिंगल रूम', 'इट इज़ 1966', 'इंग्लैंड 1999' और 'डिसअपियर्ड पर्सन'। 'द थ्री वीमेन इन सिंगल रूम' में एक कमरे में कैसे तीन स्त्रियाँ अलग-अलग कार्य करती हैं, उसे शब्द दिया गया है।

अंग्रेज़ी की प्रोफ़ेसर और कवयित्री अलका त्यागी ने अपनी कविताएँ 'एम्बरेसिंग द रिवर' और 'ए लिटिल सूफ़ी' सुनाई। वहीं अनामिका अनु जो हिंदी कवयित्री हैं, ने 'मैं टूटने की तरकीब हूँ', 'मोनपा', 'क्षमा', 'मास्को में है क्या कोई बेगूसराय' और 'तथाकथित प्रेम' कविताओं का पाठ किया। 'क्षमा' कविता में प्रकृति की उपमा देकर क्षमा को उद्धृत किया गया है। महुआ सेन प्रख्यात बाङ्ला कवयित्री हैं। उन्होंने 'गिरिबाला' कविता जो रवीन्द्रनाथ टैगोर की कहानी से प्रेरित होकर लिखी है, का पाठ किया। 'आई होल्ड माई रूट्स क्लोज़ टू माई हार्ट' में बिहार के प्राचीन विश्वविद्यालयों, वहाँ के खान-पान प्राकृतिक सोंदर्य आदि का चित्रण है। उन्होंने दो और कविताओं 'नेम गेम' ओर 'रोज़' का भी पाठ किया। प्रख्यात कवयित्री मुग्धा सिन्हा ने तीन कविताएँ 'बादलों से कहो', 'सोलह शृंगार' और 'क्या कहूँ मैं' हिंदी में और दो कविताएँ 'बल्क' ओर 'ट्रांसफ़ॉरमेशन' अंग्रेज़ी में प्रस्तुत की। 'सोलह शृंगार' कविता में उन्होंने मृत्यु के बाद एक बेटी को विदा करने के संपूर्ण संस्कार को बहुत मार्मिक ढंग में प्रस्तुत किया है और अपनी कविता में यह भी कहा है कि सभी संबंधी उसे ऐसे ही विदा करें जैसे जीवित रहने पर करते थे।

प्रख्यात ओड़िआ कवयित्री रीतारानी नाईक ने जीवन और मृत्यु पर आधारित अपनी पहली कविता 'झूठी माया' ओड़िआ में और 'बेचैन धरती', 'जीवन एक कठिन गली' हिंदी में प्रस्तुत की। प्रख्यात कवयित्री उषा अकेला ने अंग्रेज़ी में 'मैन्यूवेला', 'यज्ञ ऑफ़ माई ड्रीम' जो द्रोपदी को समर्पित है, 'ब्रिजेज़ ऑफ़ स्टूगार्ड', 'जेरुसलम', और 'टर्निंग फ़िफ़्टी' कविताएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर के साथ संपन्न हुआ।

पूर्वोत्तरी : उत्तर पूर्वी एवं दक्षिणी लेखक सम्मिलन

वाई.डी. थोंगची जी ने पूर्वोत्तरी कार्यक्रम के पहले सत्र की अध्यक्षता की। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि भारत की विविधता, विभिन्न भाषाएँ और क्षेत्रफल की अपनी विशेषताएँ हैं। भारत में वैदिक काल से ही साहित्य

रहा है। वैदिक काल की कई संरक्षित पुस्तकों को आज अनुवाद के कारण ही हम समझ पा रहे है, जिस कारण एक-दूसरे की सामाजिकता, और संस्कृति को जान पा रहे हैं।

इस सत्र में जयश्री बर' ने अपनी बोडो कहानी का हिंदी अनुवाद प्रस्तुत किया एवं एन. रंजना देवी अपनी मणिपुरी कहानी का अंग्रेज़ी अनुवाद प्रस्तुत किया। पूर्वोत्तरी के दूसरे सत्र में जो कि तिरुवल्लुवर सभागार में आयोजित था, की अध्यक्षता के. जयकुमार ने की । उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि इस साहित्योत्सव में देश के विभिन्न भागों से कवि-कवयित्रियाँ आए हैं। आज ये अपनी कविताएँ प्रस्तुत करेंगे। जब एक कवि अपनी कविता प्रस्तुत करता है तो वह केवल अपनी भावनाओं को ही नहीं बल्कि अपना इतिहास, अपनी जगह का इतिहास, समय काल एवं समाज की स्थिति को प्रस्तुत करता है। इन्हीं के माध्यम से हम उस व्यक्ति, उसकी

भावनाएँ एवं उसके समाज को जान पाते हैं। इसमें ज्योतिरेखा हाज़रिका, सी. नागन्ना, अनघा जे. कोलथ, रीता थोकचम. मालन एवं बी. राम मनोहर राव ने अपनी-अपनी कविताएँ एवं उनके अनुवाद प्रस्तुत किए।

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2022 के विजेताओं का मीडिया से संवाद

वाल्मीकि सभागार में आयोजित इस संवाद सत्र का संयोजन हुमरा कुरैशी एवं अमरनाथ 'अमर' ने किया।

पुरस्कार विजेताओं ने अपने-अपने सृजनात्मक अनुभव साझा करते हुए बताया कि अपने जीवन के निजी अनुभव ही उनके लेखन को प्रभावित करते है और पाठक उन अनुभवों को अपने जीवन से जोड़कर उस कृति का मूल्यांकन करते हैं। गुजराती के लिए पुरस्कृत गुलाममोहम्मद शेख ने जो कि एक चित्रकार भी हैं ने कहा कि मेरे कई परिवारजन और परिचित जब यह संसार छोड़ कर गए तब उन तक पहुँचने के लिए मैंने उन्हें अपने संस्मरणों में याद किया। इस तरह मैंने तो सुकुन पाया ही बल्कि इस बहाने मैं उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि भी दे सका।

कार्यक्रमों की सूची

दिनांक	समय	कार्यक्रम	स्थान
13 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	आमने-सामने : पुरस्कृत लेखकों/विद्वानों के साथ प्रख्यात लेखकों का संवाद	वाल्मीकि सभागार
13 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	भाषा सम्मान अर्पण	वाल्मीकि सभागार
13 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	परिचर्चा : अनुवाद कला : सांस्कृतिक संदर्भ में चुनौतियाँ	व्यास सभागार
13 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : शब्द-संसार और मेरी कला	व्यास सभागार
13 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : शिक्षा और सृजनात्मकता	तिरुवल्लुवर सभागार
13 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	आदिवासी लेखक सम्मिलन	तिरुवल्लुवर सभागार
13 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम : ब्रज की होली, श्यामा ब्रज लोककला मंच द्वारा	मेघदूत मुक्ताकाशी सभागार-1
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	अखिल भारतीय कवि सम्मिलन : एक पृथ्वी . एक परिवार . एक भविष्य	वाल्मीकि सभागार
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	परिचर्चा : नाट्य लेखन	व्यास सभागार
14 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	एल.जी.बी.टी.क्यू. लेखक सम्मिलन	व्यास सभागार
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	आदिवासी लेखक सम्मिलन *(जारी...)*	तिरुवल्लुवर सभागार
14 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	नारी चेतना	तिरुवल्लुवर सभागार
14 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	लेखक से भेंट : उषाकिरण खान, *प्रख्यात मैथिली एवं हिंदी लेखिका* के साथ	तिरुवल्लुवर सभागार
14 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	राष्ट्रीय संगोष्ठी : महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण	साहित्य अकादेमी सभागार, प्रथम तल
14 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम : क़व्वाली, निज़ामी ब्रदर्स द्वारा	मेघदूत मुक्ताकाशी सभागार-1
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	परिचर्चा : मीडिया, न्यू मीडिया और साहित्य	वाल्मीकि सभागार
15 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं पश्चिमी लेखक सम्मिलन)	वाल्मीकि सभागार
15 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	कथासंधि : अब्दुस समद, *प्रख्यात उर्दू कथाकार* के साथ	वाल्मीकि सभागार
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	एल.जी.बी.टी.क्यू. लेखक सम्मिलन *(जारी...)*	व्यास सभागार
15 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : डिजिटल युग में प्रकाशन	व्यास सभागार
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : सिनेमा और साहित्य	तिरुवल्लुवर सभागार
15 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : भारत में आदिवासी समुदायों के महाकाव्य	तिरुवल्लुवर सभागार
15 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	राष्ट्रीय संगोष्ठी : महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण *(जारी...)*	साहित्य अकादेमी सभागार प्रथम तल
15 मार्च 2023	सायं 5.00 बजे	इंडो-कज़ाक लेखक सम्मिलन	साहित्य अकादेमी सभाकक्ष, तृतीय तल
15 मार्च 2023	सायं 6.00 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम : साहित्य एवं अभिनय : पाठ से प्रस्तुति, जयंत कस्तुआर द्वारा	तिरुवल्लुवर सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	आओ कहानी बुनें (बच्चों के लिए कार्यक्रम)	मेघदूत मुक्ताकाशी सभागार-1
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : विदेशों में भारतीय साहित्य	वाल्मीकि सभागार
16 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : साहित्य और महिला सशक्तीकरण	वाल्मीकि सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 11.00 बजे	परिचर्चा : मातृभाषा का महत्त्व	व्यास सभागार
16 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	परिचर्चा : संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति	व्यास सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.30 बजे	पूर्वोत्तरी (उत्तर-पूर्वी एवं पूर्वी लेखक सम्मिलन)	तिरुवल्लुवर सभागार
16 मार्च 2023	अपराह्न 2.30 बजे	व्यक्ति एवं कृति : कैलाश सत्यार्थी, *प्रख्यात समाज सुधारक एवं नोबेल पुरस्कार विजेता* के साथ	तिरुवल्लुवर सभागार
16 मार्च 2023	पूर्वाह्न 10.00 बजे	राष्ट्रीय संगोष्ठी : महाकाव्यों की स्मृतियाँ, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्र निर्माण *(जारी...)*	साहित्य अकादेमी सभागार, प्रथम तल

**कार्यक्रमों में परिवर्तन संभव है।*

मीडिया सहयोगी

National | आकाशवाणी | FM BOLE TOH 91.1 FM Radio City A JAGRAN INITIATIVE

अन्य जानकारी के लिए देखें
https://sahitya-akademi.gov.in

पुस्तक प्रदर्शनी
पूर्वाह्न 10.00 बजे से सायं 7.00 बजे

Buy Books Online
Link:
http://sahitya-akademi.org.in/

साहित्य अकादेमी
रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001
दूरभाष : 91-11-23386626/27/28
ई-मेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in

साहित्योत्सव
Festival of Letters 2023
11-16 March, 2023
New Delhi
Daily News Bulletin
SUNDAY, 12 March 2023

Sahitya Akademi gets its New President and Vice-President

The election for Sahitya Akademi's new President and Vice President was held during the Akademi's General Council meeting, on Saturday, March 11, 2023, at the Sahitya Akademi Auditorium. Sri Madhav Kaushik, eminent Hindi writer and poet, elected as the new President of Sahitya Akademi. Dr. Mallepuram Venkatesh, well-known Kannada litterateur, and Dr. Ranganath Pathare, eminent Marathi fiction writer and critic, were also contesting the election.

Sri Madhav Kaushik
President, Sahitya Akademi

Sri Madhav Kaushik, born on November 1, 1954 in Bhiwani city of Haryana, is an eminent Hindi writer. He has more than 30 publications to his credit including poeotry collections, collections of short stories, criticism, children literature, translation and edited books. Some of his books and poems have been included in the curriculum at graduate and post graduate level in different universities. He is the recipient of Shiromani Sahityakar Samman, Mahakavi Surdas Samman, Subramania Bharati National Award of Kendriya Hindi Sansthan, Aajeevan Sahitya Sadhna Samman by Haryana Sahitya Akademi among others.

Prof. Kumud Sharma, eminent Hindi writer, elected as the new Vice-President of Sahitya Akademi. Sri C. Radhakrishnan, eminent Malayalam fiction writer, also contested the election for Vice-Present. Prof. Kumud Sharma is working as Professor, Department of Hindi, University of Delhi. She has 13 published books on various subjects such as Media, Woman discourses and literature to her credit, besides many published articles in reputed newspapers and magazines. She has delivered more than 300 lectures in different Indian universities and important Social forums of national and international level. She has been the member of Executive Council, Atal Bihari Vajpayee Hindi Vishvavidyala Bhopal, Academic Council, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya; Expert member of "Board of Studies" of Gautam Budh University, High Level Core Committee member of Prasar Bharati, member of Hindi Advisory Committee of Ministry of Civil Aviation, Govt. of India. She is the recipient of Sahitya Bhushan Samman, Bhartendu Harischandra Puraskar, Damodar Chaturvedi Smriti Samman, Sahitya Shree Samman.

Prof. Kumud Sharma
Vice-President, Sahitya Akademi

Today's Programmes

Writers' Meet, Valmiki Sabhagar, 10.30 a.m.

Panel Discussion on Diplomacy and Literature, Valmiki Sabhagar, 2.30 p.m.

People and Books with Sunil Kant Munjal, Renowned Entrepreneur & Writer, Valmiki Sabhagar, 4.30 p.m.

Samvatsar Lecture by Justice Dipak Misra, Former Chief Justice of India, Valmiki Sabhagar, 6.00 p.m.

Yuva Sahiti : The Rise of Young India (Contd...), Vyas Sabhagar, 10.30 a.m.

Purvottari (North-Eastern and Northern Writers' Meet), Tiruvalluvar Sabhagar, 10.30 a.m.

Inauguration of the Akademi Exhibition 2022

The Sahitya Akademi's Festival of Letters 2023 began with the Akademi Exhibition 2022, at 10 am. on Saturday, 11 March 2023, showcasing activities and programmes organized by the Akademi during 2022. The Exhibition was inaugurated by Sri Arjun Ram Meghwal, Hon'ble Minister of State for Culture. Dr K. Sreenivasarao, Secretary, Sahitya Akademi, in his welcome address, informed that the theme for this year's Festival of Letter is "One Earth. One Family. One Future" to highlight the universal aspirations of Indian literary creations aligning with the age-old dictum of Vasudaiva Kutumbakam. He further talked about the significant activities and programmes organized by Akademi during 2022. He said that the Akademi has organized 579 programmes across the country; 10 literary programmes under Azadi Ka Amrit Mahotsav & 41 programmes under Ek Bharat Shrestha Bharat scheme; published 465 books including reprints; produced 10 Documentaries Films on eminent writers, besides organizing 107 Book Exhibitions and Fairs during the period. The Akademi has also brought out as many as 465 books including reprints during the year. The inauguration of the Akademi Exhibition formally marks the commencement of the Festival of Letters every year. On the occasions Sri Arjun Meghwal said that we have to create such positivity which would help our country in achieving the title of a developed nation instead of a developing one. Citing the example of ancient saint poets like Kabir, Guru Nanak, Tiruvallur, he said that these saints were not only poets but litterateurs of great thinking and vision which taught us to love Nature. Praising the work being done by the Akademi, he said that it is the responsibility of all art and literary institutions to create a constructive and positive environment in the society. Referring to the G20, Mr. Meghwal also said that Indian culture and tradition are based on these three principles, "One earth, One family and One future". We can achieve our goals only through such big events.

Media Interaction with the Awardees

On the first day of the Festival of Letters 2022, 11 March, 2023, the Akademi conducted a Media Interaction session with Sahitya Akademi Award 2022 winning writers at Valmiki Sabhagar, at 11.30 a.m., the moderators were Humra Qureshi and Amarnath 'Amar'. In the programme the Award-wining writers answered the questions of literary connoisseurs and representative of the Media, and shared their personal experiences, their literary journeys, and their struggle which prompt them to be a writer or a poet with the present audience.

Multilingual Poets' Meet

A "Multilingual Poets' Meet was held on 11 March 2023, at 11.00 am in Vyas Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns. Sri Bhuchung D. Sonam famous English poet from Tibet presided over the first session of the programme. He began the session with recitation of some of his poems focused on the exile of Tibetan refugees from Tibet. His poem, titled, Exile, was about the pain of separation from his mother. The participant-poets were, Mukul Kumar (English), Agnishekhar (Hindi), Jayashree Kambar (Mannada), B. Haridas (Malayalam), A. Krishnarao (Telugu).

The second session was presided over Sri Agnishekhar the celebrated Hindi poet. The participating poets were, Prabal Basu (Bengali), Sarabjeet Garcha (English), Rakesh Sharma (Hindi), Misna Chanu (Manipuri) jayakumar Mankuthirai (Tamil) and Mohd. Umar Farhat (Urdu). Concluding the session, Sri Agnishekhar recited some lines from his poetry collection Draupadi. In which, Draupadi is in conversation with lord Krishna on the exploitation she suffered at the hands of various male characters present in *Mahabharata*, and how they manipulatively blamed the whole *Mahabharata* on her.

Sahitya Akademi A

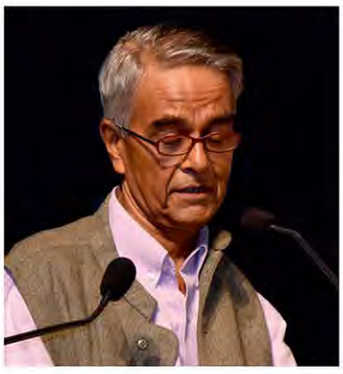

The Sahitya Akademi Award 2022 were presented to 22 writers at an august function on 11 March 2023, held at Kamani Auditorium, Copernicus March, New Delhi.

The Award Presentation Ceremony began with the invocation rendered by Ms. Sangeeta Khanna. Dr. K. Sreenivasarao welcomed Sri Madhav Kaushik, newly elected President of Sahitya Akademi and Prof. Kumud Sharma, newly elected Vice-President of Sahitya Akademi. He then requested Sri Madhav Kaushik to welcome Sri Upamanyu Chatterjee, Chief Guest at the Award Presentation Ceremony. Dr. K. Sreenivasarao, in his welcome address, made it a point to appeal to the entire gathering to applause Dr. Chandrashekhar Kambar, former President of the Akademi and distinguished Kannada litterateur, for his outstanding contribution to Indian Literature and his notable association with Sahitya Akademi. He said that an award, in fact, is a token of respect to the writers as well as the literary traditions the writers belong to. He pointed it out that it is the typically rare worldview of a writer that relates him/her to the world literature. Talking about the Festival of Letters, Dr. K. Sreenivasarao, said that this year's Festival is the 39th edition and includes almost 40 programmes and more than 400 writers, and hence, is the biggest of all. He informed that a delegation Kazakh writers is also present at the Award Presentation Ceremony, and there will be Indo-Kazakh Writers' Meet in the Festival. He warmly welcomed the delegation. Heartily congratulating all the Award Winners again,

Concluding his speech, Dr. K. Sreenivasarao thanked the Indian writers' community for their continued patronage and support through the inception of the Akademi.

Sri Madhav Kaushik, in his presidential address, said that Sahitya Akademi is the largest publishing organization in the world, and it celebrates the

ward Presentation

plurality of our country. He further said that the awardees sitting from the left corner of the stage to the right corner quintessentially represent our entire nation. All these award winners voiced the pain and suffering of the common man, and captured the very essence of the life of the common man. He added that the writer expresses the pain of the society and is inspired also by the invisible power, and is self-schooled. Hence, in felicitating the writers, it is in fact all of us are being felicitated. He concluded that the literature, warmth and culture in India is as vibrant as it was 5000 years ago. Finally, he heartily congratulated all the winner Award winners.

Dr. K. Sreenivasarao read out the citations and Sri Madhav Kaushik, President, Sahitya Akademi, conferred the Awards on the awardees.

Sri Upamanyu Chatterjee, the distinguished English writer and scholar and the Chief Guest at the occasion, in his address said that literature is an exhausting business. One struggles hard with pain to find the exact way to express oneself. Congratulating all the Awardees, he said that the Awardees are the Chief guests at this ceremony as they are the principle reason for this august assembly, and this is perhaps the most extraordinary felicitation of literature in the world. Nowhere in the world 24 languages are celebrated at the same time and it is indeed a great achievement, and is a sign of pluralism, he added.

Prof. Kumud Sharma, Vice President, Sahitya Akademi, in his concluding remarks said that this is highly prestigious honor. The beauty and affluence of 24 Indian languages is spread on one platform is an extraordinary cultural phenomena in itself, she added. She further said that it is true that we all differ in our customs, fashions, styles, etc. but we are united culturally and this is Indianness. Concluding her address, she congratulated all the Award winners and thanked all.

Yuva Sahiti: The Rise of Young India

"Yuva Sahiti: The Rise of Young India", commenced at 2.30 pm. at Valmiki Sabhagar, Rabindra Bhvan Lawns. Sri Surjit Patar, distinguished Punjabi Poet, in his inaugural address said that silence is so powerful and it won't let someone to remain quiet. It always encourages to express something with beyond the shower. Sufferings is another source of expression to go for innovations of letters. He also added saying that the list would be empty if the expression was not delivered at the proper time with suitable method. Dr. Chandrashekhar Kambar, distinguished Kannada Playwright, presided over the inaugural session said that the youth are the real source of expressions in country especially a country like India.

The first session of the programme was chaired by Arjun Deo Charan, well-known Rajashani poet, critic, playwright, theatre director and translator. Aditi Basuroy (Bengali), Nikita Parik (English), Bhargav Thakar (Gujarati), Sandeep Kumar Tiwari (Hindi), Prabin Kabi (Odia), Har Man (Punjabi), Vinita Sharma (Rajasthani) and Anil Dyani (Telugu) recited their poems in the programme.

Asmita

The fourth programme of the Festival "Asmita" held in Vyas Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns, at 2.30 p.m., was chaired by Prof. K. Srilata, well-known poet in English. She began with a haiku by Basho about sounding the temple bells to hear and resonate. She remarked on the silence of women writers among other marginalized groups in literature. She further said no long are they silent and here is a group of multilingual women writers talking about their lives and sensibilities in a plethora of language. The participant women writers were Alka Tyagi, Anamika 'Anu', Mahua Sen, Mugdha Sinha, reeta Rani Nayak, Salma and Usha Akella.

Purvottari: North-Eastern and Southern Writers' Meet

As part of the Festival of Letters 2023, a "Purvottari: North-Eastern and Southern Writers' Meet", was held at 11.30 am. at Tiruvalluvar Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns. Sri Y.D. Thongchi, an eminent Assamese writer and litterateur chaired the session devoted to Short Story readings. Ms. Jwishri Boro (Bodo) and Ms. Ranjana Devi (Manipuri) read out their short Stories with the flavour of North-East.

The second session of the Meet was chaired by K. Jayakumar, an administrator, poet, lyricist, author and a painter. Ms. Jyotirekha Hazarika (Assamese), Prof. C. Naganna (Kannada), Ms. Anagha J. Kokath (Malayalam), Ms. Rita Thokcham (Manipuri), Sri Maalan (Tamil) and Sri V. Rama Manohara Rao (Telugu) read their poems with translation.

Multilingual Short Story Reading

The "Multilingual Short Story Reading" commenced at 2.30 pm. in the Tiruvalluvar Sabhagar, Rabindra Bhavan Lawns. Sri Ramkumar Mukhopadhyay, Bengali writer, chaired the session and gave the concluding remarks on behalf of Smt. Mamta Kalia. Sri Devendra Kumar Devesh, Regional Secretray, Sahitya Akademi, moderated the programme. The participants were Ramkumar Mukhopadhyay (Bengali), Sbhubha Sharma (English), Akhil Pratap (Hindi), Gaurishankar Raina (Kashmiri), Iti Samanta (Odia) and Vempalli Gangadhar (Telugu), read out their stories in their respective languages. Concluding the session, Sri Mukhopadhyay said that in true sense, the Akademi is promoting 'unity in diversity' by inviting authors, scholars and litterateurs from different parts of India. And in his view, it's only in India where we witness true essence of bilingualism. Bilingualism is the true identity and will soon be the future of India.

Schedule of Events

Date	Time	Event	Venue
13 March 2023	10.30 a.m.	Face to Face (Award Winners in Conversation with Eminent Writers/Scholars)	Valmiki Sabhagar
13 March 2023	5.00 p.m.	Presentation of Bhasha Samman	Valmiki Sabhagar
13 March 2023	10.30 a.m.	Panel Discussion on Art of Translation : Challenges in Cultural Context	Vyas Sabhagar
13 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on World of Letters and My Art	Vyas Sabhagar
13 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Education and Creativity	Tiruvalluvar Sabhagar
13 March 2023	2.30 p.m.	Tribal Writers' Meet	Tiruvalluvar Sabhagar
13 March 2023	6.00 p.m.	Cultural Event : Braj Ki Holi by Shyama Braj Lok Kala Manch	Meghdoot Open Air Theatre - 1
14 March 2023	10.30 a.m.	All India Poets' Meet : One Earth• One Family• One Future•	Valmiki Sabhagar
14 March 2023	10.30 a.m.	Panel Discussion on Playwriting	Vyas Sabhagar
14 March 2023	2.30 p.m.	LGBTQ Writers' Meet	Vyas Sabhagar
14 March 2023	10.00 a.m.	Tribal Writers' Meet (Contd...)	Tiruvalluvar Sabhagar
14 March 2023	2.30 p.m.	Nari Chetna	Tiruvalluvar Sabhagar
14 March 2023	5.00 p.m.	Meet the Author with Usha Kiran Khan, Eminent Maithili & Hindi Writer	Tiruvalluvar Sabhagar
14 March 2023	11.00 a.m.	National Seminar on Memories of Epics, Indian Independence Movement & Nation Building	Sahitya Akademi Auditorium, 1st Floor
14 March 2023	6.00 p.m.	Cultural Event : Qawwali by Nizami Brothers	Meghdoot Open Air Theatre - 1
15 March 2023	10.30 a.m.	Panel Discussion on Media, New Media and Literature	Valmiki Sabhagar
15 March 2023	2.30 p.m.	Purvottari (North-Eastern and Western Writers' Meet)	Valmiki Sabhagar
15 March 2023	5.00 p.m.	Kathasandhi with Abdus Samad, Eminent Urdu Fiction Writer	Valmiki Sabhagar
15 March 2023	10.00 a.m.	LGBTQ Writers' Meet (Contd...)	Vyas Sabhagar
15 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Publishing in Digital World	Vyas Sabhagar
15 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Cinema and Literature	Tiruvalluvar Sabhagar
15 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Epics of Tribal Communities in India	Tiruvalluvar Sabhagar
15 March 2023	10.00 a.m.	National Seminar on Memories of Epics, Indian Independence Movement & Nation Building (Contd...)	Sahitya Akademi Auditorium, 1st Floor
15 March 2023	5.00 p.m.	Indo-Kazakh Writers' Meet	Sahitya Akademi Conference Hall, 3rd Floor
15 March 2023	6.00 p.m.	Cultural Event : Sahitya Evam Abhinaya : Text to Performance by Jayant Kastuar	Tiruvalluvar Sabhagar
16 March 2023	10.00 a.m.	Spin-a-Tale (Programme for Children)	Meghdoot Open Air Theatre - 1
16 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Indian Literature Abroad	Valmiki Sabhagar
16 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Literature and Women Empowerment	Valmiki Sabhagar
16 March 2023	11.00 a.m.	Panel Discussion on Importance of Mother Tongues	Vyas Sabhagar
16 March 2023	2.30 p.m.	Panel Discussion on Sanskrit Language and Indian Culture	Vyas Sabhagar
16 March 2023	10.30 a.m.	Purvottari (North-Eastern and Eastern Writers' Meet)	Tiruvalluvar Sabhagar
16 March 2023	2.30 p.m.	People and Books with Kailash Satyarthi, Renowned Social Reformer & Nobel Laureate	Tiruvalluvar Sabhagar
16 March 2023	10.00 a.m.	National Seminar on Memories of Epics, Indian Independence Movement & Nation Building (Contd...)	Sahitya Akademi Auditorium, 1st Floor

**Schedule of events is subject to change.*

Media Partner

National | आकाशवाणी | FM BOLE TOH 91.1 FM Radio City A JAGRAN INITIATIVE

for further details visit :
https://sahitya-akademi.gov.in

Book Exhibition
10:00 am to 7:00 pm (Daily)

Buy Books Online
Link:
http://sahitya-akademi.org.in/

SAHITYA AKADEMI
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001
Telephone: 91-11-23386626/27/28
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in